an>

title: Regarding encroachment over ponds and lakes in the country particularly in Bundelkhand region.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय जल संसाधन मंत्री जी का ध्यान देश में ऐतिहासिक राजाओं द्वारा बनाए गए तालाबों और झीलों पर अवैध कब्जों पर दिलाना चाहता हूं। यद्यपि इतिहास लेखन में राजाओं द्वारा जल संचयन हेतु विकसित की गई तकनीक को उचित स्थान नहीं दिया गया, पर तथ्य के रूप में जल की कमी वाले क्षेत्रों में इन तालाबों ने जनता की प्राण रक्षा की। पर, आज उन्हीं तालाबों एवं जल संचयन स्रोतों की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। मैं एक ऐसे क्षेत्र से आता हूं, जहां पानी की समस्या एक यथार्थ सामाजिक दुःख है। बुन्देलखण्ड में मुख्य आजीविका का साधन कृषि है और आश्चर्यजनक रूप में यहां पानी की बहुत कमी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् मानव जीवन को सुखी बनाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में बहुत अधिक तकनीकी विकास हुआ, परन्तु मेरे क्षेत्र का जनमानस जल उपलब्धता और आधुनिक तकनीकी में सह-संबंध को अभी तक खोज नहीं पा रहा है, जो इस क्षेत्र के चन्देल राजाओं ने एक हजार वर्ष पूर्व खोज लिया था। भारत सरकार द्वारा हमीरपुर और महोबा जिले में घोषित डार्क जोन में इन तालाबों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय जनता आंदोलन को एक विकल्प के रूप में देख रही है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बुन्देलखण्ड सहित पूरे देश में जीवन रेखा वाले तालाबों एवं झीलों से तुरन्त अवैध कब्जे हटाएं जाएं एवं संबंधित व्यक्तियों पर उचित कार्रवाई की जाए, जिससे कि इन क्षेत्रों के लोगों को जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Harishchandra alias Harish Dwivedi – not present.